Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 03-08-2006

Participants : Yadav Shri Ram Kripal

>

Title : Need to monitor the fund allocated for 'Health Awareness Mela'.

श्री राम कृपाल यादव : सभापति महोदय, भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा स्वास्थ्य जागरूक मेला लगाने के लिए पिछले वित्तीय वर्ा में बिहार को लगभग 3 करोड़ 20 लाख रुपए प्रदान किए गए थे। प्रत्येक संसदीय क्षेत्र में आठ लाख रुपए खर्च करके स्वास्थ्य जागरूक मेला लगाने का निर्देश दिया गया था जिससे वहां के आम गरीबों को लाभ पहुंचाया जाए। यह एक अच्छी योजना है। इस तरह की योजना ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य के संबंध में जागरूकता प्रदाने करने के लिए है जिससे पूरी जानकारी मिलती है। इस योजना के तहत मेरे संसदीय क्षेत्र पटना के लिए आठ लाख रुपए की राशि दी गई थी। मुझे दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि मेरे संसदीय क्षेत्र में लाख प्रयास के बाद भी आठ लाख रुपए की राशि खर्च नहीं हो सकी है। यह बहुत गम्भीर मामला है। वहां के जिलाधिकारी स्तर पर बैठक करके इस राशि को खर्च करना था ताकि गरीबों को लाभ पहुंच सके लेकिन कई बार प्रयास करने के बाद भी कुछ नहीं हुआ। ऐसे मेले पहले भी होते रहे हैं लेकिन मूल रुप से पैसा खर्च नहीं हो सका है। मेरे संसदीय क्षेत्र की गरीब जनता को, खास तौर पर जिस परपस के लिए पैसा दिया गया था वह परपस सॉल्व नहीं हो सका है। यह अत्यन्त गम्भीर मामला है। आप इसमें अविलम्ब हस्तक्षेप करें। मेरे संसदीय क्षेत्र सहित बिहार के अन्य दूसरी जगहों को, जहां आठ लाख रुपए खर्च करने के लिए पैसा दिया गया था, खर्च नहीं हो सका है। उसे खर्च कराए ताकि आम लोगों को इसका लाभ मिल सके और स्वास्थ्य मेला लगाया जा सके। भारत सरकार के माध्यम से पैसा दे दिया गया। 11 महीने हो गए हैं लेकिन अभी तक पैसा खर्च नहीं हुआ है।

सभापति महोदय : आपकी बात आ गई है। आपका गम्भीर मामला है। आपने सरकार का ध्यान आकर्ति कर दिया। यहां हैल्थ मिनिस्टर नहीं है।

श्री राम कृपाल यादव : मैं आपका संरक्षण चाहता हूं। संसदीय कार्य मंत्री बैठे हैं। वह कम से कम सूचना ग्रहण करें। इसमें सरकार हस्तक्षेप करे।

सभापति महोदयः सरकार ने सूचना ग्रहण कर ली है।

श्री राम कृपाल यादव : आप डायरैक्शन दें ताकि पैसा खर्च हो क्योंकि अलग से पैसा नहीं देना है। ...(व्यवधान) वहां हमारे पक्ष की सरकार नहीं है। कोई सुनने वाला नहीं है।

सभापति महोदयः मैं कम्पैल नहीं कर सकता हूं, लेकिन सरकार ने सूचना ग्रहण की है।

श्री राम कृपाल यादव : मैं निवेदन कर रहा हूं। ...(व्यवधान) यह सदन किस लिए है और हम यहां चुन कर किस बात के लिए आए हैं?

सभापति महोदयः आप बैठ जाएं। अन्य सदस्य भी बोलने वाले हैं।